(a) whether it is a fact that STC has been negotiating with non-cartel party for the supply of sugar at a lesser rate than charged by the international sugar cartel;

(b) if so, details thereof with regard to the quantity of sugar to be purchased, the rate of at which sugar will be purchased, and the extent to which the rate is less than the rate charged in the international sugar cartel; and

(c) the extent to which the domestic prices of sugar are likely to come down as a result thereof?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) and (b) STC is not aware of the existence of any international sugar cartel or the members thereof. However, in order to elicit the most competitive offers from the international market while simultaneously ensuring security and quality of supply, STC had entertained offers for supply of sugar both from members and non-members of the Refined Sugar Association (RSA), London subject to fulfilment/acceptance of certain additioanl conditions by the latter. Apart from order for supply of 4.56 lac tonnes of sugar placed on suppliers who are members of RSA at C & F prices in the range of US $ 378.50 to US$404.00 PMT for arrival between July-Nov. depending on factors like source of supply shipment date, date of contracting STC have also placed an order on 25.7.94 on one non-RSA supplier, M|s. Falcon of Dubai, for supply of 12,500 tonnes of sugar at a cost of US $ 350 PMT, C&F for August shipment.

(c) As a result of the arrival of imported sugar and adequate release of indigenous sugar, the initial rise in sugar price has now been checked and sugar prices have shown a declining trend from the second fortnight of May onwards.

Import of edible oils

826. SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI:
DR. MURLI MANOHAR JOSHI:
SHRI RAMDAS AGARWAL:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether the Government are aware of the steadily rising prices of Edible Oils in the country and if so, what is the quantity and nomenclature of Edible Oils imported in 1993 and so far in 1994 together with the names of the countries and the price per tonne.

(b) what is the estimated quantity of Edible Oil which has been contracted for import for the rest of the year and the price thereof; and

(c) In what manner the imported oil has been and is likely to bt distributed and what steps have been taken to ensure that the commodity reaches the distant regions of the country?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) to (c) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

विश्व व्यापार में भारत की भागीदारी

827. **चौधरी हरमोहन सिंह :**
श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला:

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विश्व व्यापार में भारत की भागीदारी क्रमश: घट रही है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान विश्व व्यापार में भारत की भागीदारी कितनी थी ; और

(ग) सरकार द्वारा विश्व व्यापार में भारत की भागीदारी बढ़ाने हेतु क्या प्रयास किये जा रहे हैं ?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणब मुखर्जी) : (क) और (ख) जी, नहीं। विश्व व्यापार में भारत की भागीदारी जो वर्ष 1991 में 0.534 प्रतिशत रही थी वह वर्ष 1992 (वह वर्ष जिसके लिये विश्व व्यापार के आंकड़े सुलभता से उपलब्ध हैं) में बढ़कर 0.568 प्रतिशत हो गयी।

(ग) सरकार की नीति यह है कि विश्व व्यापार में भारत की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में दीर्घावधि आधार पर विश्वव्यापीकरण को सुकर बनाया जाए और निर्यात में वृद्धि की जाये। इस बात के भी प्रयास किये जा रहे हैं कि दक्षिण अफ्रीका और इजरायल जैसे नये देशों को निर्यात बढ़ाया जाये। निर्यात संवर्धन एक सतत प्रक्रिया है और नई जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से समय-समय पर इसमें नीतिगत/क्रियाविधि संबंधी परिवर्तन किये जाते हैं।

चीनी - निर्यात हेतु निर्धारित लक्ष्य

828. श्री सत्य प्रकाश मालवीय :
श्री अनंतराम जायसवाल :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के वित्तीय वर्षों के दौरान चीनी निर्यात हेतु क्या लक्ष्य निर्धारित किये गये थे और वर्ष-वार कितना चीनी निर्यात किया गया था और उनकी दरें क्या थीं ;

(ख) क्या वित्तीय वर्ष 1994-95 हेतु चीनी का कोई निर्यात लक्ष्य निर्धारित किया गया है और यदि हां, तो कितना और किस दर पर ;

(ग) मुक्त सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 1994-95 में 15 जुलाई तक चीनी का कितना आयात किस दर पर किया गया है

(घ) क्या यह सच है कि देश की कई बन्दरगाहों पर भारी मात्रा में आयातित चीनी बिना दावेदारी के पड़ी है जिसे वहां से उठाने को कोई सरकारी क्षेत्र का उद्यम उपक्रम तैयार नहीं है; और

(ङ) यदि हां, विभिन्न बन्दरगाहों पर आयातित चीनी की कितनी मात्रा पड़ी हुई है और इसे सरकारी गोदामों में न लाये जाने के क्या कारण हैं?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणब मुखर्जी) : (क) चीनी वर्ष (30 सितं० को समाप्त) के आधार पर वर्ष 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के दौरान निर्यात की गई चीनी की मात्रा निम्नानुसार रही:-

वर्ष	लाख मी० टन
1992-92	5.83 नेपाल सहित
1992-93	3.97 नेपाल सहित
1993-94 (जन० 94) तक	0.31 नेपाल सहित

*अनन्तिम ।

इन वर्षों के दौरान निर्यात की गई चीनी की मात्रा के वर्षवार मूल्य संबंधी जानकारी एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी।

(ख) जहां तक चीनी वर्ष 1994-95 का संबंध है, निर्यात हेतु संभावित उत्पादन और बेशामाल, यदि कोई हुआ, तो उसकी स्पष्ट तस्वीर मिलने के बाद ही कोई विचार बनाया जायेगा।